184

09/01/26
12:22

Computer Section
District Court, Budaun
09 JAN 2026

डा0 (श्रीमती) मनु कालिया,
एच0जे0एस0,
सदस्य सचिव

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
U.P. State Legal Services Authority

(विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के अन्तर्गत गठित)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सेवा में,

समस्त जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष,
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक: 87 /एसएलएसए-02/2026 (ऋ/सरन) दिनांक : जनवरी 08 ,2026

विषयः आगामी वर्ष 2026 हेतु राष्ट्रीय लोक अदालतों के आयोजन के संबंध में।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषयक राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के पत्रांक एल0/34/2018/नालसा, दिनांकित 04.12.2025 (छायाप्रति संलग्न) का संदर्भ लेने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से नालसा द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालतों की तिथियां प्रस्तावित की गयी हैं, जो कि निम्नवत् हैं:-

वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालतों का तिथिवार विवरण

प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत	14.03.2026
द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत	09.05.2026
तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत	12.09.2026
चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत	12.12.2026

माननीय कार्यपालक अध्यक्ष महोदय द्वारा उपरोक्त तिथियों पर राष्ट्रीय लोक अदालतों के आयोजनार्थ कृपापूर्ण अनुमति प्रदान करते हुये आवश्यक कार्यवाही का निर्देश दिया गया है। तत्संबंध में निम्नवत् निवेदन है:-

1. राष्ट्रीय लोक अदालतों के आयोजन की तिथियों से सर्वसम्मत को अविलम्ब अवगत कराया जाये।
2. विगत वर्षों की भांति राष्ट्रीय लोक अदालतों के आयोजन के संबंध में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी किये गये पत्रों एवं परिपत्रों को सम्मिलित करते हुये अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।
3. राष्ट्रीय लोक अदालतों के आयोजनार्थ समन्वय हेतु नोडल अधिकारी नामित किया जाये और जिला प्रशासन व पुलिस विभाग से समन्वय हेतु नोडल अधिकारी नामित कराये जायें।
4. राष्ट्रीय लोक अदालतों में विभिन्न प्रकृति के अधिकाधिक लम्बित वादों को चिन्हित किया जाये।
5. चिन्हित वादों के पक्षकारों को सूचित करने के लिये कम से कम दो बार नोटिस जारी की जाये। ऐसी नोटिस लोक अदालत के आयोजन की तिथि से कम से कम एक माह पूर्व की हो।
6. उपयुक्त प्रकृति के वादों (मोटर दुर्घटना दावा वाद, पारिवारिक वाद, एन0आई0एक्ट0 वाद, दीवानी वादों, शमनीय दाण्डिक वाद इत्यादि) के लिये न्यूनतम पांच-पांच प्री-ट्रायल बैठकों का आयोजन किया जाये और अधिकाधिक वादों के निस्तारण का प्रयास किया जाये। इस हेतु आवश्यक पीठों का गठन किया जाये।
7. राष्ट्रीय लोक अदालतों में अधिकाधिक मामलों को चिन्हित किया जाये और संधिवार्ता द्वारा निस्तारण का प्रयास किया जाये।
8. राष्ट्रीय लोक अदालतों में सरकार के विभिन्न विभागों को सम्मिलित करते हुये विभिन्न प्रकृति के प्री-लिटिगेशन वादों को चिन्हित किया जाये और अधिकाधिक निस्तारण का प्रयास किया जाये।
9. राष्ट्रीय लोक अदालतों के आयोजन के संबंध में प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल प्लेटफार्म का प्रयोग करते हुये व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये।

4/7, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ, 4/7, Gomti Nagar Extension , Lucknow
Phone : 0522-2286395, Fax 0522 2286265 Toll Free No. : 1800 419 0234
E-Mail : upslsa@nic.in Website : upslsa.up.nic.in

Scanned with OKEN Scanner

10. राष्ट्रीय लोक अदालत के लिये चिन्हित वादों की सूचना ससमय नालसा पोर्टल पर अपडेट की जाये।

11. पूर्व की भांति राष्ट्रीय लोक अदालतों में निरतारित प्री–लिटिगेशन वादों के आंकड़ों/विवरण को डिजिटली स्टोर/सुरक्षित किया जाये एवं इस हेतु संबंधित विभाग/संस्था से आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाये।

सादर।

भवदीया,

संलग्नक : यथोक्त।

Manu

डा० (श्रीमती) मनु कालिया
सदस्य सचिव

पत्रांक एवं दिनांक समांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. मुख्य सचिव, उ०प्र०शासन, लखनऊ।
2. प्रमुख सचिव न्याय, उ०प्र०शासन, लखनऊ।
3. प्रमुख सचिव गृह, उ०प्र०शासन, लखनऊ।
4. अध्यक्ष, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, शक्ति भवन, लखनऊ।
5. निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०, लखनऊ।
6. समस्त पीठासीन अधिकारी, मोटर यान दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, उ०प्र०।
7. समस्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, उ०प्र०।
8. समस्त अध्यक्ष, वाणिज्यिक न्यायालय, उ०प्र०।
9. समस्त अध्यक्ष, स्थायी लोक अदालत, उ०प्र०।
10. निबन्धक, राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, उ०प्र०।
11. निबन्धक, ऋण वसूली अपीलीय अधिकरण(डी०आर०ए०टी०), इलाहाबाद।
12. निबन्धक, ऋण वसूली अपीलीय अधिकरण(डी०आर०टी०), इलाहाबाद/लखनऊ।
13. समस्त पीठासीन अधिकारी, भू अधिग्रहण, उ०प्र०।
14. सचिव, उ०प्र०, भू–सम्पदा विनियामक प्राधिकरण, लखनऊ।
15. विधि परामर्शदाता, उ०प्र० राज्य सड़क परिवहन निगम, उ०प्र०, लखनऊ।
16. समस्त बैंक।
17. समस्त बीमा कम्पनी।

डा० (श्रीमती) मनु कालिया
सदस्य सचिव

Circulate amongst all concerned.
Secy DLSA to make further necessary compliance in co-ordination with all concerned.

12.01.2026

जिला जज बदायूँ / अध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण
NATIONAL LEGAL SERVICES AUTHORITY
(Constituted under the Legal Services Authorities Act, 1987)

संजीव पाण्डेय
SANJIV PANDEY
(District & Sessions Judge)
सदस्य सचिव
MEMBER SECRETARY
(In-Charge)

B-Block, Ground Floor,
Administrative Buildings Complex,
Supreme Court of India, New Delhi-110001

Ground Floor, Double Storey,
Jaisalmer House, 26, Mansingh Road,
New Delhi-110011

F. No. L/34/2018/NALSA
Dated: 04th December, 2025

To

The Member Secretary
All State Legal Services Authorities.

Sub.: National Lok Adalat Schedule-2026.

Sir/Madam,

The National Lok Adalats across the country are organized a per the provision of the Legal Services Authorities, 1987 read with National Legal Services Authority (Lok Adalats) Regulations, 2009 in the Courts and Tribunals.

2. It has been the practice to conduct 4 National Lok Adalats in a year. Outcome of the National Lok Adalats organized during the years 2021, 2022, 2023, 2024 and 2024 (except next National Lok Adalat to be held on 13.12.2025) has been encouraging with respect to pending and pre-litigation cases. The statistical overview of cases disposed of in the National Lok Adalats held in last four years and the current year is as under:

Year	No. of Lok Adalats held	Pre-litigation Cases disposed of	Pending Cases disposed of	Total Cases disposed of
2021	4	72.06 lacs	55.82 lacs	127.88 lacs
2022	4	310.15 lacs	109.11 lacs	419.26 lacs
2023	4	710.33 lacs	143.09 lacs	853.42 lacs
2024	4	870.19 lacs	175.07 lacs	1045.26 lacs
2025	3	880.02 lacs	170.12 lacs	1050.15 lacs

Scanned with OKEN Scanner

3. As approved by Hon'ble Mr. Justice Vikram Nath, Judge, Supreme Court of India & Executive Chairman, National Legal Services Authority, the National Lok Adalats will be held on 2nd Saturdays of March, May, September and December during the year 2026. Approved Schedule of National Lok Adalats in the year 2026 is as under:

1st National Lok Adalat	**14th March, 2026**
2nd National Lok Adalat	**9th May, 2026**
3rd National Lok Adalat	**12th September, 2026**
4th National Lok Adalat	**12th December, 2026**

4. The frame work to conduct the National Lok Adalat will be as under

I. Cases may be referred as per the procedure prescribed under the said Act and Regulations. Necessary directions be issued to all concerned to conduct pre-lok Adalat or pre-conciliation sittings before the scheduled date of National Lok Adalat, so that the opportunities for negotiations may be offered to the parties to arrive at a compromise or settlement.

II. Ensure that cases wherein there is scope of an amicable settlement to be identified in advance.

III. Ensure that the use of technology or digital platforms in the process for organizing NLA is promoted.

IV. Ensure that extensive awareness campaigns on Lok Adalat as an alternative dispute resolution platform are organized to enhance the participation of parties.

V. Ensure updation on the National Judicial Data Grid (NJDG) of all 'pending cases' disposed of.

VI. The following types of cases (both pre-litigation and pending) may be taken up for settlement in the National Lok Adalat:

A. Pre-litigation:

All type of Civil and Compoundable Criminal cases as permissible under the Act/Regulations may be taken up. The data and records of registration of cases be maintained by the DLSA/HCLSC or TLSC under the directions of SLSA.

The SLSA will make all endeavours to promote registration of pre-litigation cases and the service of notices through digital platforms/online modes, to ease pressure on the conventional system.

Scanned with OKEN Scanner

B. Pending in the Courts:

All type of civil and compoundable criminal cases, including the following:

i. Criminal Compoundable Offences,
ii. Plea Bargaining Cases,
iii. NI Act cases under Section 138,
iv. Bank Recovery cases,
v. Motor Accident Claim cases,
vi. Compoundable Traffic Challans,
vii. Labour dispute cases,
viii. Disputes related to Public Utility services such as Electricity & Water Bills cases etc. (excluding non-compoundable),
ix. Matrimonial disputes (except divorce)/ Family disputes,
x. Land Acquisition cases,
xi. Service matters including pension cases,
xii. Revenue and other ancillary matters, pending before High Court, District Courts and State/District/Taluka Authorities.
xiii. IPR matters/ Consumer matters/ also other matters pending before any other quasi-judicial authority,
xiv. Other civil cases (rent, easementary rights, injunction suits, specific performance suits etc.).

5. It is submitted that the decision regarding the rescheduling of National Lok Adalats due to specific local conditions in any of the States may be taken by the Hon'ble Executive Chairmen of the respective SLSAs, under intimation to NALSA.

6. It is also submitted that the SLSAs may ensure that the outcomes of the National Lok Adalats are promptly and accurately updated on the NJDG, so as to enable a meaningful assessment of their real impact on reducing court pendency.

7. The SLSAs will submit the National Lok Adalat photographs and success stories reflecting innovative practices, best settlement efforts, or notable outcomes achieved during the Lok Adalat.

Kindly place this communication before the Hon'ble Executive Chairmen, SLSAs for His Lordship's kind information and seek necessary directions,

With regards,

Yours sincerely,

(Sanjiv Pandey)
4/12/2025

Scanned with OKEN Scanner